वि. वि. म.
रामकृष्ण महादेव साळगावकर उच्च माध्य. विद्यालय
कोब मडगाव गोव
प्रथम सत्र परीक्षा

दिनांक: २१ \ १० \ २०२३ | विषय :हिन्दी | समय: ३ घंटे
कक्षा: ११वी | | अंक: ८०

सामान्य निर्देश :

सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न पत्र तीन खंडो मे विभाजित है।

कुल प्रश्न ४० - खड क - १५ अंक , खंड ख - ४० अंक, खंड ग - २५ अंक

प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।

खण्ड क (१५ अंक)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर अंत में पूछे गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

मातृ भूमि के स्वतंत्रता संग्राम मे अपने प्राणों की आहुति देनेवाले सपूतों मे श्री चंद्रशेखर आजाद का नाम सुविख्यात है। उनमे प्रचंड देशभक्ति ,त्याग , सर्वस्व न्यौछावर कर देने की बेजोड उमग , निर्भीकता , साहस , क्रियाशीलता , सजग नेतृत्व इत्यादी गुण कूट कूट कर भरे हुए थे।

१९२० मे असहयोग आदोलन जोर शोर से चल रहा था। भारत मे सर्वत्र हलचल थी , कुछ कर मरने की उमग थी, अग्रेजो को भारत से बाहर निकाल देने का जोश था।नये नारे थे , नई हवा थी , नये नेता थे और अग्रेजो का दमन चक्र जोरो पर था। बनारस नगर भी इस लहर से अछूता नही था। स्वराज्य के नारे लगाते हुए जो लोग पकडे गये , उन्ही मे १४ वर्ष का बालक चंद्रशेखर भी था। स्वतंत्रता संग्राम के इन वीर सैनिको को अंग्रेज जिलाधीश के सानमे उपस्थित किया गया तो उसके नेत्र इस सुकुमार बालक पर ही टिके रह गये। अंग्रेज हो या भारतीय पहले तो वह आदमी है। वह कुछ विचलित होकर मानो पुचकारते हुए स्वर मे बडी कोमलता से बोला "तुम अभी बालक हो , शायद लोग तुम्हे बहका लाये है। अच्छा तुम क्षमायाचना कर लो , मै तुम्हे छोड दूँगा।"

चंद्रशेखर ने रोषपूर्ण स्वर मे कहा " तुम विदेशी होकर बलपूर्वक हम पर शासन कर रहे हो ,यह महान अपराध है। तुम्हे मुझसे क्षमायाचना करनी चाहिए।भला मै माफी क्यो माँगू तुमसे ? " जिलाधीश आग बबूला हो गया और उसने उन्हे बेत लगाने का दंड दिया। अपनी देह को बेतो से सहर्ष पिटवाकर वे चंद्रशेखर से ' आजाद' बन गए और इसी नाम से सारे देश मे लोकप्रिय हो गये।

१ . १९२० मे भारत मे कौनसा आदोलन चल रहा था? उसका जनता पर क्या प्रभाव पडा था ? (२)
२. आजाद क्यो सुविख्यात है ? (१)
३. ' गुण ' शब्द का विलोमार्थी शब्द लिखिए। (१)
४. चंद्रशेखर ने माफी माँगने से क्यो इन्कार किया ? (१)
५. जिलाधीश उस बालक को ही क्यो देखता रहा ? (१)
६. जिलाधीश आग बबूला क्यो हो गये ? (२)
७. 'आग बबूला होना' इस मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्य मे प्रयोग कीजिए। (२)

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर अंत मे पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हरी घास पर बिखेर दी है
ये किसने मोती की लडियाँ ?

कौन रात में गूँथ गया है
ये उज्ज्वल हीरों की कड़ियाँ ?
जुगनू से जगमग जगमग ये
कौन चमकते है यों चमचम ?
नभ के नन्हें तारों से ये
कौन दमकते है यों दमदम ?
लुटा गया है कौन जौहरी
अपने घर का भरा खजाना?
पत्तों पर, फूलों पर पग पग
बिखरे हुए रतन है नाना।
बड़े सबेरे मना रहा है
कौन खुशी में यह दीवाली ?
वन उपवन में जला दी है
किसने दीपावली निराली ?
जी होता, इस ओस कणों को
अंजली में भरकर घर ले आऊँ
इनकी शोभा निरख निरख कर
इन पर कविता एक बनाऊँ।

८. नाना रतन कहाँ कहाँ पर बिखरे हुए है ? (१)
९. रात के समय कोई क्या गूँथ कर गया है ? (१)
१०. कवि मोतीयो की लडियाँ, चमकते जुगनू, दमकते तारे किसे कहता है ? (१)
११. 'उज्ज्वल' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए। (१)
१२. कवि अंजली में क्या भरकर घर लाना चाहता है ? (१)

खण्ड ख (४० अंक)

निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

उत्साह, उमंग निरंतर
रहते मेरे जीवन में
उल्लास विजय का हँसता
मेरे मतवाले मन में।
आशा आलोकित करती
मेरे जीवन को प्रतिक्षण
है स्वर्ण सूत्र से वलयित
मेरी असफलता के घन।

१३. कवयित्री के मतवाले मन में कौन हँसता है ? (१)
१४. 'उत्साह' शब्द से विशेषण शब्द बनाइये। (१)
१५. यह काव्यांश किस कविता से लिया गया है और उसके कवि कौन है ? (१)
१६. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। (२)

आशा आलोकित करती
मेरे जीवन को प्रतिक्षण
है स्वर्ण सूत्र से वलयित
मेरी असफलता के घन।

अथवा

भोर हो गई, मलय पवन का
आँचल फिर लहराया !
झोंका आया, दीप बुझ गया ;
नया फूल मुसकाया !
समय समय की बात,
किसी को भोर, किसी को संध्या ;
समय किसी को मरण,
किसी को जीवन बनकर आया !

१३. कविने प्रातःकाल का वर्णन कैसे किया है ? (२)
१४. भोर और संध्या का प्रतिकात्मक अर्थ बताइए। (१)
१५. दीपक और फूल हमे क्या सीखाते है ? (१)
१६. ' फूल ' शब्द का समानार्थी शब्द लिखिए। (१)

१७. निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट करते हुए शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (लगभग ५० शब्दो मे) (४)

दिग्गज को दहलाने वाला
कंप छिपाए उर मे
धरती से सीखो मलयज में
पल्लव दल सा हिलना।

अथवा

१७. काल की रुके न चाहे चाल,
मिलन से बडा बिरह का काल,
यहाँ लय ,, यह प्रलय सुविशाल !
दृष्टि मे दर्शनार्थ धोती।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ४० शब्दो मे लिखिए।

१८. मीरा ने अपनी विरह व्यथा को कैसे व्यक्त किया है ? (३)
१९. यशोदा माँ कृष्ण से क्या अभिलाषाएँ करती है ? (३)

अथवा

१९. ' मेरा जीवन ' कविता मे आशावादी स्वर कैसे मुखरीत हुआ है ? (३)

निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए

उसने बैग को सहलाया। विमला बैग देखेगी तो पहले नाक भौह सिकोडेगी, फिर पूछेगी कहाँ का है? मै कहूँगी कहाँ का होगा, यह देख लो दुकानदार का बिल, और बिल उसके सामने रख दूँगी।

दुकानदार के बारे मे सोचकर मीरा मुस्कुरा दी। इटली के दुकानदारो को, औरतों को खुश करने के हजार ढग आते है और यह तो जैसे मुझ पर लट्टू हुआ जा रहा था। अच्छा हुआ, जो साडी पहनकर शॉपिंग करने निकली। यूरोप मे स्लैक्स पहनो तो तुम भीड मे खो जाती हो, कोई देखता ही नहीं, साडी पहनो, तो पटरी पर चलते राहगीर मुड मुडकर देखते है। साडी मे न जाने उन्हे कौन सा बाँकापन नजर आता है ! दो ही दिन पहले एक आदमी सडक पर चलते चलते रुक गया था और मीरा के पास चला आया था और टूटी फूटी अंग्रेजी मे, पहले मीरा की काली काली आँखो का गुणगान करता था, फिर उसकी साडी की तारिफें करता रहा था कि जब भारतीय स्त्री साडी पहने चलती है तब लगता है सगीत की लहरियाँ उठ रही है, जाने क्या क्या कहता था ?

यूरोप मे सडको पर साडी पहनकर चलो तो हर राह जाती नजर प्रशसा के फूल तुम पर फेंकती जान पडती है। यूरोप मे तो जरूर साडी पहनकर ही घूमना चाहिए। यहाँ हर राह जाता आदमी कांपलीमेंट पे करता है। यह बैग

वाला दुकानदार क्या कम कॉम्प्लीमेंट पे कर रहा था ?

२०. युरोप में साडी पहनने पर मीरा को किस तरह तारिफें मिली ? (२)

२१. 'नाक भौंह सिकोडना ' इस मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (२)

२२. ' आँखे ' शब्द का समानार्थी शब्द लिखिए। (१)

अथवा

मुझे गुस्सा है , इस आईने पर। वैसे तो यह बडा दयालु है , विकृति को सुधारकर चेहरा सुडौल बनाकर बतात रह है। आज एकाएक यह कैसे क्रूर हो गया ! क्या इस एक बाल को छिपा नही सकता था ? इसे दिखाए बिना क्या उसकी ईमानदारी पर बडा कलंक लग जाता ? उर्दु कवियो ने ऐसे संवेदनशील आईनों का जीक्र किया है , जो माशूक के चहरे में अपनी ही तस्वीर देखने लगते है , जो उस मुख के सामने आते ही गश खाकर गिर पडते हैं ; जो उसे पूरी तरह प्रतिबिंबित न कर सकने के कारण चटक जाते है। सौंदर्य का सामना करना कोई खेल नही है। मूसा बेहोश हो गया था। ऐसे भले आईने होते है , उर्दु कवियो के और यह हिंदी लेखक का आईना है।

२०. ' गश खाकर गिरना' इस मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (२)

२१. ' क्रूर ' शब्द की भाववाचक संज्ञा बनाइए। (१)

२२. उर्दू कवियो के आईनों के बारे में लेखक क्या कहते है ? (२)

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लगभग ८० शब्दो में लिखिए।

२३. लेखिका ने किसे श्रेष्ठ कलाकार कहा है और क्यों सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (५)

२४. सेनानी बनकर बाळा ने गोवा की स्वाधिनता में कैसे योगदान दिया ? (५)

अथवा

२४. आनंदी ने अपने बिखरते हुए परिवार को कैसे समेटा ? (५)

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

अपने स्वरुप के अनुसार उल्काओं की साधारणतया तीन जातियाँ मानी जाती है। यदि उल्का फीकी , केवल तारे की तरह जान पडती है तो इसे छोटी उल्का या टूटता तारा कहते है। यदि उल्का इतनी बडी हुई कि उसका कोई अंश पृथ्वी तक पहुँच जाए तो उसे उल्का-प्रस्तर कहते है। यदि उल्का बडी होने पर आकाश मे ही फटकर चूर चूर हो जाए तो उसे साधारणतः अग्नि पिंड कहते है। छोटी उल्काओ में उन सब उल्काओं की गणना है जो केवल अत्यंत मंद प्रकाश के तारे से लेकर शनि या बृहस्पति जैसे ग्रहो की तरह चमक पाती है। ऐसी उल्काएँ प्रति रात्रि दिखलाई पडती हैं। अग्नि पिंड बहुत कम दिखलाई पडते है। ये कम से कम बृहस्पति या शुक्र के समान चमकीले होते है और कभी कभी तो पूर्णिमा के चंद्रमा से भी कई गुने बडे और उससे भी कई अधिक चमकीले होते है। ऐसे बडे अग्निपिंडो के हवा को चिरते हुए चलने का शब्द बादलो की गडगडाहट सा जान पडता है। और जब ये फटते हैं तो जान पडता है कि कान का परदा ही फट जाएगा। ज्ञात हुआ है कि अग्नि पिंडो के फटने पर इनके इतने इतने छोटे टुकडे हो जाते है कि हमारे वायुमंडल में ही भस्म हो जाते है और उनका कोई अंश पृथ्वी तक नही पहुँच पाता।

२५. छोटी उल्काओं में किन की गणना होती है ? (१)

२६. यह पठित गद्यांश किस पाठ से लिया गया है और उसके लेखक कौन है ? (१)

२७. उल्का की जातियों का वर्णन कीजिए। (२)

२८. 'पृथ्वी' शब्द का समानार्थी शब्द लिखिए। (१)

२९. अग्नि पिंड कैसे होते है ? (२)

३०. गद्यांश में आयी कोई दो भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए। (२)

३१. अग्नि पिंडो का कोई अंश पृथ्वी तक क्यो नही पहुँच पाता ? (१)

खंड ग (२५ अंक)

निम्नलिखित जनसंचार माध्यम पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (लगभग १० से २० शब्दों में)

३२. फीडबैक से हमें क्या पता चलता है ? (१)

३३ . समूह संचार का उपयोग किस लिए किया जाता है ? (१)

३४. जनसंचार से क्या अभिप्राय है ? (१)

३५. आजादी के बाद के किन्ही चार समाचार पत्रों के नाम लिखिए। (१)

३६. रेडियो का आविष्कार कब और किसने किया ? (१)

निम्नलिखित किसी एक विषय पर अनुच्छेद लेख लिखिए। (लगभग १०० शब्दों में) (५)

३७. वन और पर्यावरण का संबंध

अथवा

जहाँ चाह वहाँ राह

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर फीचर तैयार कीजिए। (लगभग १०० शब्दों में) (५)

३८ स्वास्थ्य ही धन है

अथवा

बसों का बढ़ता बोझ

३९. 'युवा पीढी में समाज सेवा की भावना का अभाव' इस विषय पर वेदांग और वैदवी इन दो छात्रों के बीच हुआ सवाद १५ से २० वाक्यों में लिखिए। (५)

४०. गौतम / गौरी दुबे , देवकी मंझिल , पणजी गोवा से स्वास्थ्य अधिकारी , पणजी नगरपालिका , पणजी गोवा को चारों ओर फैली गंदगी और उसके दुष्परीणाम के बारे में बताते हुए पत्र लिखता / लिखती है। (५)

****